पी–एच.डी कोर्स वर्क (हिन्दी) 2023–24 का पाठ्यक्रम

(अधिष्ठाता : कला संकाय के दिशा निर्देशों के अनुरूप सृजित)

हिन्दी विभाग

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

उत्तर प्रदेश–272202

पाठ्यक्रम–विवरण

प्रश्न पत्र संख्या	पाठ्य पत्र का नाम	केडिट	अंक	कुल केडिट
3 (अनिवार्य)	हिन्दी साहित्यानुसन्धान : प्रविधि और आयाम	3	100	6
4 (अनिवार्य)	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	3	100	

विषय : हिन्दी			
पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन **(Pre-Ph.D. Course Work)**			
प्रश्नपत्र संख्या–3 (अनिवार्य)			
पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) : **हिन्दी साहित्यानुसन्धान : प्रविधि एवं आयाम**			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) : किसी विषय में शोध करने के इच्छुक शोधार्थी को उस विषय में सम्भावित शोध के क्षेत्रों का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखकर इस पाठ्यक्रम की रचना की गयी है। इसका उद्देश्य शोधार्थियों को हिन्दी में शोध के विभिन्न आयामों और उनमें कार्य करने की व्यापक सम्भावनाओं से अवगत कराना है।			
केडिट : 03	पूर्णांक : 25+75	उत्तीर्णांक : 55 प्रतिशत	
कुल व्याख्यान संख्या : 45			
इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	केडिट संख्या
1.	**साहित्य की शोध प्रविधि :** शोध के सोपान : शोध–चिन्तन; विषय–चयन; रूपरेखा–निर्माण : शोध–शीर्षक; प्रस्तावना, पूर्वकृत कार्य की समीक्षा, परिकल्पना, उद्देश्य, प्रविधि व अध्यायीकरण, परिशिष्ट आदि; सामग्री–संकलन; टीप (नोट्स) लेना; प्रश्नावली, साक्षात्कार तथा	15	1

	पर्यवेक्षण–पद्धति। शोध–प्रबन्ध लेखन : विषय सूची; संकेत–सूची; विषय–प्रवेश या पीठिका; भूमिका एवं उपसंहार–लेखन, अध्यायीकरण, उद्धरण–प्रस्तुति; सन्दर्भोल्लेख; पाद–टिप्पणी; सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची; नामों एवं विषयों की अनुक्रमणिका।		
2.	**शोध अधिनियम एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग :** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 2016 का शोध–सम्बन्धी अधिनियम। कम्प्यूटर का शोध में उपयोग; कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने की सुविधा; ई–सामग्री संग्रह तथा उपयोग; हिन्दी भाषा और साहित्य–सम्बन्धी विविध वेबसाइटें; ई–पत्रिकाएं, पुस्तकें तथा उनके लिये लेखन।	15	1
3.	**हिन्दी साहित्यानुसंधान के आयाम :** साहित्येतिहोसिक शोध : साहित्येतिहासिक शोध का अर्थ एवं स्वरूप; साहित्येतिहासिक शोध के क्षेत्र एवं सोपान; हिन्दी साहित्य के इतिहास में शोध की सम्भावनाएं; हिन्दी साहित्येतिहास में शोध की स्थिति। भाषातात्विक शोध : भाषातात्विक शोध से तात्पर्य; साहित्य का भाषातात्विक अनुशीलन; भाषावैज्ञानिक शोध; शैलीवैज्ञानिक शोध; समाजभाषिक शोध। व्याख्यात्मक शोध : मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, साहित्यशास्त्रीय। तुलनात्मक शोध : हिन्दी में तुलनात्मक शोध की परम्परा;हिन्दी में तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र; हिन्दी में तुलनात्मक शोध की सम्भावनाएं तथा सीमाएं।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी हिन्दी में शोध के प्रमुख आयामों, प्रविधियों और महत्त्व को जान सकेगे।
2. शोध कार्य की सही पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
3. इस पत्र के अध्ययन द्वारा उन्हें जहां एक ओर अपने विषय–चयन में सहायता मिलेगी, वहीं उनके शोध कार्य में गुणात्मक सुधार होगा।
4. शोधार्थी शोध, उसके प्रमुख आयामों और महत्त्व को जान सकेगे।
5. शोध कार्य की सही पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
6. इस पत्र के अध्ययन द्वारा उनमें अपेक्षित शोध–कौशल का विकास होगा और उनका शोध गुणवत्तापरक होगा।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी अनुसन्धान; विजयपाल सिंह; लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिन्दी पाठानुसन्धान; कन्हैया सिंह;लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. पाठ सम्पादन के सिद्धान्त; कन्हैया सिंह; लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. संरचनात्मक शैली विज्ञान; रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव; आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी शोधतन्त्र की रूपरेखा; मनमोहन सहगल; पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
6. पाण्डुलिपि विज्ञान; डॉ. सत्येन्द्र;राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
7. शोध प्रविधि; विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. अनुसन्धान प्रविधि : सिद्धान्त और प्रक्रिया; एस. एन. गणेशन; लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. शोध और सिद्धान्त; डॉ. नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
10. शोध प्रविधि; डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा; हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला।
11. शोध प्रविधि; रामगोपाल शर्मा दिनेश; राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
12. अनुसन्धान की प्रविधि और प्रक्रिया; राजेन्द्र मिश्र; तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

विषय : हिन्दी			
पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन **(Pre-Ph.D. Course Work)**			
प्रश्नपत्र संख्या–4 (अनिवार्य)			
पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) : **हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि**			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) : इस पत्र का उद्देश्य शोधार्थियों को उन विचार–सरणियों से अवगत कराना है, जिन्होंने हिन्दी साहित्य को अपने–अपने दौर में गहराई से प्रभावित किया है। हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित हो जाने से उनके समक्ष शोध के नये–नये आयाम सामने आ सकेंगे और वे अपने शोध–विषय का एक अच्छा चयन कर सकेंगे।			
क्रेडिट : 03	पूर्णांक : **25+75**	उत्तीर्णांक : 55 **प्रतिशत**	
कुल व्याख्यान संख्या : 45			

इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	क्रेडिट संख्या
1.	**साहित्य और विचारधारा :** हिन्दी साहित्य और विचारधारा, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की वैचारिकी, मध्यकालीन हिन्दी साहित्य की वैचारिकी, आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिकी	15	1
2.	**विविध मतवाद व विमर्श :** अध्यात्मवाद; गांधीवाद; अन्तश्चेतनावाद; मार्क्सवाद; मनोविश्लेषणवाद; अस्तित्ववाद; आधुनिकतावाद; उत्तर–आधुनिकतावाद।	15	1
3.	**विविध विमर्श :** भूमण्डलीकरण, औद्योगीकरण; बाजारीकरण; शहरीकरण; दलित विमर्श; स्त्री–विमर्श; आदिवासी विमर्श; पसमांदा विमर्श; आंचलिकता और महानगरीय बोध।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी उन वैचारिक आधारों को जान सकेंगे, जिन्होंने समय–समय पर हिन्दी साहित्य को गहराई से प्रभावित किया है।
2. शोध के नये–नये क्षेत्र उनके सम्मुख प्रकट हो सकेंगे।
3. अपने शोध–विषय का अच्छा चयन कर वे शोध के क्षेत्र में श्रेष्ठ अवदान दे सकेंगे।।

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्य और विचारधारा; कमला प्रसाद।
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका; मैनेजर पाण्डेय।
3. साहित्य का समाजशास्त्र; निर्मला जैन।
4. साहित्य और इतिहास दृष्टि; मैनेजर पाण्डेय।
5. मध्यकालीन बोध का स्वरूप; हजारी प्रसाद द्विवेदी।
6. उत्तर आधुनिक साहित्य विमर्श; सुधीश पचौरी।
7. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र; गोपीचन्द नारंग।
8. साहित्य का समाजशास्त्र; डॉ. नगेन्द्र।
9. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श; जगदीश्वर चतुर्वेदी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य; क्षमा शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. अस्तित्ववाद; योगेन्द्र साही; द मैकमिलन, दिल्ली।
12. मनोविश्लेषण; सिंगमण्ड फ्रायड; राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
13. तुलनात्मक साहित्यः भारतीय परिप्रेक्ष्य; इन्द्रनाथ चौधुरी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. तुलनात्मक साहित्य ; डॉ. नगेन्द्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
15. भारतीय साहित्य; डॉ. नगेन्द्र; प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।